धूमल को चेहरा बनाकर ब्रह्मास्त्र की काट

हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को ही अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर दिया है। पहले यह कहा जा रहा था कि मुख्यमंत्री का चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद किया जाएगा। इसी बात को कांग्रेस अपने ब्रह्मास्त्र के रूप में प्रयोग कर रही थी। कांग्रेस ने मौजूदा मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के रूप में घोषित कर दिया था और राज्य की जनता से कहती थी कि भाजपा के पास मुख्यमंत्री का चेहरा ही नहीं है। कांग्रेस नेता कहते थे कि भाजपा किसे मुख्यमंत्री बनाएगी, यह अब तक तय नहीं है तो जनता किस उम्मीद से उसे वोट देगी। भाजपा की गुटबाजी को भी इसी बहाने जनता के बीच प्रसारित किया जा रहा था और मुख्यमंत्री के रूप में बाहरी व्यक्ति को थोपने की बात कही जाती थी। कांग्रेस इस प्रकार से राज्य की जनता को अपने पक्ष में वोट देने और फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने की वकालत कर रही थी। भाजपा नेतृत्व ने कांग्रेस की मंशा को भांप लिया और उसका यह ब्रह्मास्त्र काट दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने 31 अक्टूबर को स्पष्ट कर दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ही भाजपा के मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। पार्टी उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने राजगढ़ में रैली के दौरान यह घोषणा की है ताकि किसी को संदेह न रहे कि नेता के बारे में भाजपा फैसला नहीं ले पा रही है क्योंकि स्पष्ट निर्णय न होने पर अटकलों का दौर चलने लगता है। भाजपा में भी कांग्रेस की तरह ही नेता पद को लेकर अंदर ही अंदर विवाद चल रहा था। कांग्रेस में मौजूदा मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू को लेकर तनातनी सड़क पर आ गयी थी। दोनों नेता एक साथ मंच साझा करने से भी परहेज करने लगे थे। चुनाव की घोषणा होते ही यह बहस जोरों पर थी कि सुखविन्दर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा अथवा वीरभद्र सिंह के अगुवाई करेंगे। कांग्रेस नेतृत्व ने दोनों नेताओं और उनके समर्थकों को बैठाकर कई बार समझाया, तब जाकर यह फैसला हो सका कि चुनाव वीरभद्र सिंह के नेतृत्व में लड़ा जाए। इस फैसले को कांग्रेस ने चुनाव प्रचार का बड़ा मुद्दा भी बनाया था और कहा कि कांग्रेस ने तो अपना नेता घोषित कर दिया है लेकिन भाजपा भी तो बताए कि चुनाव जीतने के बाद वह किसे मुख्यमंत्री बनाएगी। कांग्रेस यह भी कहती थी कि केन्द्र के नेता को भाजपा यहां थोप देगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया जाता था जहां योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के ही हैं लेकिन वे सांसद थे, जब उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया। दूसरी तरफ भाजपा में जेपी नड्डा बहुत सक्रिय थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब हिमाचल प्रदेश में एम्स का शिलान्यास किया तब यह चर्चा जोर पकड़ गयी कि श्री जेपी नड्डा इस बार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हो सकते हैं। जेपी नड्डा केन्द्र में स्वास्थ्य मंत्री हैं और एम्स के बनने में उनकी प्रमुख भूमिका मानी जा रही थी। श्री नड्डा के समर्थक भाजपा हाई कमान पर भी दबाव डाल रहे थे कि इस बार श्री नड्डा को ही मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित किया जाए लेकिन भाजपा नेतृत्व ने प्रेम कुमार धूमल को ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया।

अब हिमाचल में दोनों दिग्गजों के चुनाव क्षेत्र पर सबसे ज्यादा नजर लगी हुई है। कांग्रेस नेता और 6 बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके वीरभद्र सिंह कांग्रेस के मुख्यमंत्री प्रत्याशी हैं तो प्रेम कुमार धूमल भी राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। ये दोनों नेता इस बार नयी सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। श्री वीरभद्र सिंह सोलन जिले की अर्की से चुनाव लड़ रहे हैं तो श्री प्रेम कुमार धूमल हमीरपुर जिले की सुजानपुर सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अर्थात् 2012 में अर्की और सुजानपुर दोनों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मैदान में सातवीं बार उतरे 83 वर्षीय वीरभद्र सिंह इस बार भाजपा के युवा नेता रतन सिंह पाल का मुकाबला करेंगे। पहले यहां गोविंद राम को विधायक चुना गया था। भाजपा ने इस बार श्री गोविंद राम को टिकट नहीं दिया और युवा नेता रतन सिंह पाल को मैदान में उतार दिया। श्री धूमल ने भी अपनी वर्तमान सीट हमीरपुर को पार्टी विधायक नरेन्द्र ठाकुर के साथ बदल लिया है। इस प्रकार हमीरपुर से नरेन्द्र ठाकुर चुनाव लड़ेंगे। श्री प्रेम कुमार धूमल ने मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित होने से पहले ही सुजानपुर से प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा के मुख्यमंत्री पद के तीन प्रत्याशी माने जा रहे थे इनमें श्री धूमल के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा शामिल हैं। इन तीनों नेताओं के मजबूत गुट भी हैं लेकिन धूमल की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी पर किसी ने नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं जतायी है।

कांग्रेस के नेता वीरभद्र सिंह इस बार अपने बेटे विक्रमादित्य सिंह के लिए काफी परेशान रहे। उन्होंने शिमला की ग्रामीण सीट अपने बेटे के लिए छोड़ रखी थी लेकिन कांग्रेस हाई कमान ने उनको टिकट देने में बहुत देर लगा दी। इसके लिए अंतिम सूची तक उन्हें इंतजार करना पड़ा, तब जाकर विक्रमादित्य सिंह को चुना लड़ने की हरी झंडी मिल पायी। इस सीट से 2012 में वीरभद्र सिंह 19 हजार से अधिक वोटों से विजयी हुए थे। विक्रमादित्य सिंह वर्तमान में राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। श्री वीरभद्र सिंह ने पहले ही यह घोषणा कर दी थी कि उनका बेटा शिमला (ग्रामीण) से चुनाव लड़ेगा। इस बात पर सुखविन्दर सिंह और उनके समर्थकों ने एतराज भी जताया था। भाजपा ने शिमला (ग्रामीण) से प्रमोद शर्मा को मैदान में उतारा है जो पूर्व में वीरभद्र सिंह के बहुत करीबी माने जाते थे। कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वीरभद्र सिंह की विरोधी रहीं विद्या स्टोक्स को नामांकन करने का ही मौका नहीं मिला है। हालांकि यह तकनीकी गड़बड़ी से हुआ लेकिन उनके समर्थकों में आक्रोश है। राज्य की 68 सदस्यीय विधानसभा में 2012 के चुनाव में कांग्रेस ने 36 विधायक लेकर सरकार बनायी थी जबकि भाजपा को 26 विधायक ही मिल पाये थे। छह विधायक निर्दलीय थे। इसके बाद 2014 में हिमाचल का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गया था। भाजपा ने सभी चार सीटों पर कब्जा कर लिया और उसे 53 फीसद से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि कांग्रेस को भी 41 फीसद से ज्यादा वोट मिले थे लेकिन उसे सांसद कोई नहीं मिल सका। इसी आधार पर भाजपा इस बार वहां पचास सीटों पर जीतने का दावा कर रही है जबकि कांग्रेस भी राज्य में फिर से अपनी सरकार बनाने के प्रति आश्वस्त है।

कांग्रेस के रहनुमा वीरभद्र सिंह और उनके परिजनों पर आय से अधिक सम्पत्ति का मुकदमा चल रहा है। इस बात को लेकर भाजपा कहती है कि यह जमानती सरकार है। इसके अलावा सत्तारूढ़ दल से कुछ न कुछ शिकायतें तो जनता को रहती ही हैं। भाजपा राज्य में विकास न होने और वीरभद्र पर भ्रष्टाचार के आरोपों को मुख्य मुद्दा बना रही है जबकि कांग्रेस अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ एक बड़ा मुद्दा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर उठा रही थी। उस मुद्दे को भाजपा ने पूरी तरह निष्फल कर दिया है। इसका असर चुनाव पर पड़ेगा। **(हिफी)**

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177 – 2805015, 94180 – 15015 फैक्स: 2805015